सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 112, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड फीस जमा न होने पर छात्रा को परीक्षा से रोका... » Pg03

क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे व राहत कार्य करें अधिकारी

» Pg12

नाम में इतना कन्फ्यूजन, दूसरी महिला को जेल में डाला

मुन्नी को वास्तव में बदनाम कर दिया बरेली पुलिस ने

ना कोई जुर्म, ना ही लिखा मुकदमा, गिरफ्तार कर सीधे जेल भेजा, दंग रह गए अधिकारी, माफी मांग रहे दारोगा

एक गांव दो मुन्नी

निर्दोष को भेजा जेल

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

बरेली। कहते हैं दोषी भले छूट जाए लेकिन किसी भी हाल में निर्दोष को सज़ा नहीं मिलनी चाहिए। लेकिन असल ज़िंदगी में ठीक इससे उलटा हुआ है, जहां एक मुन्नी नाम की महिला को ढूंढ रही उत्तर प्रदेश की बरेली पुलिस ने दूसरी मुन्नी को पकड़कर जेल में डाल दिया। पुलिस की चूक इस मुन्नी नाम की महिला को बहुत भारी पड़ी और सिर्फ नाम के आधार पर उसे चार दिन जेल की सलाखों के भीतर बिताने पड़े। जबकि असली आरोपी अब भी आज़ाद घूम रही है।

मुन्नी देवी

मुन्नी

मामला बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के बंडिया गांव का है। यहां 2020 में बिजली चोरी के एक मामले में मुन्नी पत्नी छोटे के खिलाफ अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी किया था। इस पर कार्रवाई करने के लिए परसाखेड़ा पुलिस चौकी के प्रभारी गांव आये और बिना किसी छान बीन किए उन्होंने मुन्नी देवी पत्नी जानकी प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि महिला का नाम भी मुन्नी था।

> » जिस मुन्नी के विरुद्ध कोर्ट से जारी हुआ वारंट, उस तक नहीं पहुंचे दारोगा।

बीते 13 अप्रैल को बरेली पुलिस ने मुन्नी देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। चार दिन तक मुन्नी को जेल में रखने के बाद पुलिस को होश आया तो पुलिस को अपनी गलती का अहसास हुआ। आनन फानन में दूसरी मुन्नी को रिहा कराया गया। लेकिन इस दौरान पुलिस ने मुन्नी के परिवार से माफी मांगी और कहा मीडिया से बात न करें।

जेल से रिहा होने के बाद जब मीडिया ने मुन्नी देवी से बात की तो वह डरी हुई नजर आईं और बात करने से मना करने लगी फिर भी उन्होंने इतना जरूर बताया कि हमारे गांव में दो मुन्नी हैं। इस घटना ने पुलिस की लापरवाही साफ दिखाई देती है। गुड वर्क दिखाने के लिए कई बार बिना जांच के कार्रवाई कर दी जाती है और इसका नुकसान आम लोगों को भुगतना पड़ता है। मुन्नी देवी के साथ जो हुआ, वह न सिर्फ एक बड़ी चूक है बल्कि मानवाधिकारों का हनन भी है।

मामला जब उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आया तो एक रिपोर्ट कोर्ट भेजी गई। इसके बाद बेकसूर मुन्नी देवी को बेल पर रिहा किया गया। गुरुवार दोपहर बाद जब मुन्नी अपने गांव आई तो उन्हें देखने के लिए भीड़ जुट गई। मुन्नी से सवाल किया गया कि अब दारोगा क्या कह रहे हैं? सवाल पर मुन्नी बोली कि दारोगा कुछ नहीं कह रहे माफी मांग रहे हैं।

बेटे ने लगाई गुहार मेरी मां को छोड़ दो

मुन्नी देवी के बेटे राकेश एक हलवाई की दुकान पर काम करता है। उसने अपनी बेकसूर मां की रिहाई के लिए दर-दर के चक्कर काटकर परेशान हो गया। जेल से रिहा होकर आई मुन्नी देवी ने बताया कि उन्होंने कोई बिजली चोरी नहीं की। यह बात वह दारोगा को बोल रही थीं, लेकिन इसके बाद भी उनकी नहीं सुनी गई। गांव मोहल्ले वालों का कहना है कि पुलिस को कम से कम जांच तो कर लेनी चाहिए कि आखिर किसे जेल भेज रहे हैं। बिना जांच के बेकसूर को जेल भेज दिया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी अनुराग आर्य ने चौकी इंचार्ज सौरभ यादव के विरुद्ध जांच बैठा दी है। एसपी सिटी मानुष पारीक पूरे प्रकरण की जांच के बाद एसएसपी को रिपोर्ट सौंपेंगे। एसपी सिटी की रिपोर्ट के बाद दारोगा के विरुद्ध आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिश्ते हुए शर्मसार

सास-दामाद के बाद चचाओं में नई प्रेम कहानी

बेटी के ससुर से हुआ प्यार, समधी-समधिन हुए फरार

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर प्यार को पाने के लिए एक बार फिर रिश्तों की मर्यादा को तोड़ दिया गया है। यहां पर एक महिला को अपनी बेटी के ससुर से प्यार हो गया। दोनों में प्यार इतना बढ़ गया कि दोनों ने एक-दूसरे के साथ रहने का फैसला कर लिया। उनके प्यार में परिवार वाले बाधा न बने, इसलिए समधी-समधन दोनों घर से भाग गए।

यह मामला दातागंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। यहां पर रहने वाले एक व्यक्ति ने तहरीर दी है कि उनकी पत्नी समधी के साथ फरार हो गई। उसने बताया कि बेटी की शादी बदायूं शहर के एक मोहल्ले निवासी युवक के साथ की थी। इस वजह से बेटी के ससुर का घर पर आना-जाना था। कब दोनों के बीच प्यार पनन गया, इस बात की किसी को जानकारी तक नहीं थी। दोनों एक-दूसरे से फोन पर भी बाते करते रहते थे, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि वो दोनों रिश्तों की मर्यादा तोड़ देंगे।

पति ने पुलिस को बताया कि जब वो घर पर नहीं था तो उसकी पत्नी कहीं चली गई। काफी तलाशने के बाद नहीं मिली तो बेटी के ससुराल से पता चला कि बेटी का ससुर भी घर में नहीं है और दोनों फरार हो गए है। इतनी बात सुनते ही पति के पैरों तले जमीन खिसक गई। दोनों परिवारों ने उनकी खोज की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पीड़ित पति ने पुलिस को तहरीर दी है और पत्नी को वापस लाने की गुहार लगाई है।

विधानसभा अध्यक्ष केडीए वीसी से बोले, जिन जमीनों की जानकारी है, उन्हें तो बचा लें

» विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में समग्र विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। सरसैया घाट नवीन सभागार में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में समग्र विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सतीश महाना पंचायत के एएमए पर खासे नाराज हुए। वहीं डीएम की कार्यशैली की जमकर तारीफ की। मेगा लेदर कलस्टर पर सतीश महाना ने कहा कि 31 मई तक जमीन अधिग्रहण करने और उसके एवज में दूसरी भूमि उपलब्ध कराने का काम पूरा करें, अन्यथा दूसरा विकल्प देखा जाएगा। सैबसी झील की अवस्था पर महाना ने पूर्व के डीएम और कमिश्नर की कार्यशैली पर तंज कसा। केडीए वीसी से कहा कि जिन जमीनों की जानकारी है, कम से कम उन्हें तो बचा लें।

सफाई व्यवस्था का बुरा हाल

सतीश महाना ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में सफाई व्यवस्था का बुरा हाल है। कुछ दिन पहले सरसौल की स्थिति देख आश्चर्य हुआ। पूछने पर मालूम पड़ा कि अधिकतर कर्मचारी अधिकारियों के बंगले पर हैं। महाना ने डीएम को जांच कराने का निर्देश दिया।

'जिस जमीन की जानकारी है, उसे तो कब्जे से बचा लें'

विधानसभा अध्यक्ष ने केडीए वीसी से कहा कि जिन जमीनों की जानकारी है, कम से कम उन्हें तो बचा लें। क्योंकि आपके अधिकारी जानबूझ कर कब्जा होने देते हैं। वहीं, सीएमओ को अधिकृत अस्पतालों से मरीजों को एसजीपीजीआई की ओर से अधिकृत सूची के अनुसार इस्टीमेट तैयार न करने पर कार्रवाई का निर्देश दिया। कहा, अगर जरूरतमंद मरीज के लिए अस्पताल सही इस्टीमेट बनाता है और आपके यहां दिक्कत होती है तो भी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक नीलिमा कटियार ने सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर चल रहे काम की प्रशंसा की। ट्रांसगंगा सिटी से कानपुर के लिए गंगा पर बनने वाले पुल का इस्टीमेट 528 से बढ़कर 799.99 करोड़ हो गया है। हर तकनीकी कमेटी से एप्रूवल मिल गया है। महाना ने कहा कि इसे जल्द कराओ।

मेयर बोलीं, डीएम साहब दूसरे के काम में घुस जाते हैं

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के कार्यशैली पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने जैसे ही कहा कि अच्छी है , तो मेयर प्रमिला पाण्डेय ने बोल दिया कि डीएम साहब अपना काम तो करते ही हैं दूसरे के काम में भी घुस जाते हैं। इसपर डीएम ने हंसी के लहजे से पूछा, कब ऐसा हुआ तो, मेयर बोलीं कि, 'अरे मैं पूर्वांचल की कहावत बोल रहीं हूं। डीएम साहब अच्छा काम कर रहे।'

'तुम्हारी ईमानदारी से जांच करा ली जाए तो जेल चले जाओगे'

सतीश महाना पंचायत की खराब सड़कों को लेकर महाना काफी नाराज नजर आए। उन्होंने पंचायत के अपर मुख्य कार्यपालक (एएमए) रविंद्र कुमार गुप्ता से कहा कि तुम्हारी सब काम गड़बड़ है। मेरे साथ चलो, सभी सड़कों की हालत दिखाता हूं। अगर तुम्हारी ईमानदारी से जांच करा ली जाए तो जेल चले जाओगे। क्षेत्र के लोग कहते हैं अध्यक्ष जी ने ये खराब सड़क बनवाई है। महाना ने विभिन्न मुद्दों पर नाराजगी जताने के साथ जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के कुछ कार्यों की प्रशंसा भी की।

पूर्व के डीएम और कमिश्नर की कार्यशैली पर तंज

सेबसी झील पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पिछले कई डीएम और कमिश्नर के कार्यशैली पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि कई डीएम और कमिश्नर ने सैबसी झील का निरीक्षण किया और ठीक कराए जाने का वादा किया लेकिन हुआ कुछ नहीं। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह की तारीफ करते हुए बोले कि उन्होंने इसपर अच्छा काम किया। उन्होंने डीएम से इसको जल्द बेहतर बनाए जाने को कहा।

अधर में मेगा लेदर क्लस्टर

मेगा लेदर क्लस्टर अधर में लटक गया है। 98 हेक्टेयर में बनने वाले क्लस्टर में 35 हेक्टेयर जमीन की कमी है। मेगा लेदर क्लस्टर डेवलपमेंट यूपी लिमिटेड के निदेशक अशरफ रिजवान ने कहा कि 35 हेक्टेयर जमीन न मिलने से दिक्कत है। कुछ भूमि है, जिसकी संक्रमणीय भी नहीं हो रहा है। डीएम ने कहा कि 35 हेक्टेयर भूमि प्रशासन के पास है, जिसे दिया जा सकता है लेकिन अशरफ को बदले में 35 हेक्टेयर जमीन दूसरी जगह देनी होगी। जिसको लेकर वे तैयार नहीं हो रहे हैं। सतीश महाना ने कहा कि इस समस्या का जल्द निस्तारण करें। 31 मई तक अशरफ जमीन अधिग्रहण करने और उसके एवज में दूसरी भूमि उपलब्ध कराने का काम पूरा करें। अन्यथा दूसरा विकल्प देखा जाएगा।

सीएम के सामने रखेंगे दक्षिण तहसील की चुनौतियां

विधानसभा अध्यक्ष ने दक्षिण वासियों की समस्या को प्रमुखता से निस्तारित करने के लिए विभागीय सामंजस्य स्थापित करें। दक्षिण तहसील बनने में आ रही चुनौतियों को चिह्नित कर नया प्रस्ताव तैयार करें। जिसे मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। दक्षिणवासियों की समस्या के निजात के लिए हल निकाला जाएगा।

खाली बंगले बने अवैध ई-चार्जिंग स्टेशन

महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि लाल इमली, वीआईपी रोड, आर्य नगर आदि क्षेत्र में खाली पड़े बंगलों में रात में अवैध रूप से ई-रिक्शा चार्ज किए जाते हैं। तभी महाना ने कहा कि पैराशूट फैक्ट्री के पास स्थित रेलवे कॉलोनी में भी अवैध रूप से ई-रिक्शा चार्ज किए जाते हैं। केस्को एमडी और पुलिस इस पर कार्रवाई करें।

पुलिस कमिश्नर से कहा,' 'विरोध सिर्फ जनप्रतिनिधियों का होता है'

'विरोध सिर्फ जनप्रतिनिधियों का होता है'

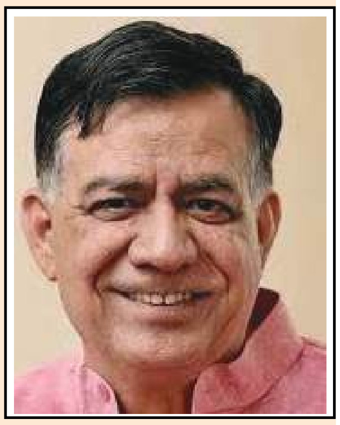

सतीश महाना ने कहा कि बारातों से भयंकर जाम लगता है। इसे पुलिस कमिश्नर खत्म कराएं। उन्होंने एक पुराने पुलिस अधिकारी का उदाहरण भी दिया। कहा, बारात को सड़क के एक तिहाई क्षेत्र से ही निकलने दें। जिससे यातायात प्रभावित नहीं होगा। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि ऐसा करने पर विरोध होता है। महाना ने हंसते हुए कहा कि विरोध सिर्फ जनप्रतिनिधियों का होता है, उसकी चिंता न करें।इस मौके पर महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक नीलिमा कटियार, सरोज कुरील, सुरेंद्र मैथानी, मंडलायुक्त के विजयेंद्र पांडियन, पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार, डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह, जेसीपी हरिश्चंद्र, केस्को एमडी सैमुअल पाल, नगर आयुक्त सुधीर कुमार, सीडीओ दीक्षा जैन आदि मौजूद रहे।

बिल्हौर: फीस जमा न होने पर छात्रा को परीक्षा से रोका, मामला डीएम के पास

» छात्रा आरोही ने कॉलेज के बाहर की सुसाइड करने कोशिश

» चौबेपुर स्थित साईं नर्सिंग कॉलेज का मामला

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। गुरुवार को चौबेपुर में एक नर्सिंग छात्रा को फीस जमा न होने के कारण परीक्षा देने से रोका गया। जिसके बाद उसने आत्मदाह करने की कोशिश की। घटना के बाद कॉलेज में हड़कंप मच गया। सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा को थाने ले गई। मामला कानपुर के चौबेपुर स्थित साईं नर्सिंग कॉलेज का है। छात्रा ने कॉलेज प्रशासन से परीक्षा में बैठने की अनुमति मांगी, लेकिन उसे फीस न जमा करने के कारण मना कर दिया गया। जिसके बाद दुःखी छात्रा ने कॉलेज गेट के पास पेट्रोल छिड़ककर सुसाइड करने की कोशिश की। जिसके बाद कॉलेज में हड़कंप मच गया। सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा को समझाकर सुरक्षित थाने लें गई। थाने में छात्रा, उनके परिजनों व कॉलेज प्रबंधन के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। कोई हल न निकलने पर परिजन छात्रा को लेकर कानपुर डीएम की चौखट पर अपनी अर्जी लेकर पहुँचे।

मामले की जाँच एसडीएम बिल्हौर को सौंपी गई है। पीड़ित छात्रा आरोही का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन ने निर्धारित शुल्क से 2000 रुपये अधिक की मांग की थी। इस अतिरिक्त फीस का विरोध करते हुए तीन महीने पहले पीड़ित छात्रा समेत लगभग एक दर्जन छात्राओं ने अपनी आवाज उठाई थी। उस समय कॉलेज प्रबंधन ने सभी छात्राओं को आश्वासन दिया था कि उनका बैक पेपर फॉर्म समय पर भरवा दिया जाएगा। लेकिन जब परीक्षा का समय आया, तो पाया गया कि केवल पीड़िता का फॉर्म जमा नहीं किया गया था। जिसके बाद दु:खी छात्रा ने कॉलेज के बाहर ही सुसाइड करने की सोच ली।

डीएम ऑफिस के बाहर शिकायती पत्र दिखाती पीड़ित छात्रा आरोही

लेकिन वहाँ मौजूद उसकी सहेलियों ने किसी तरह पुलिस को सूचना दे दी और बड़ी घटना होने से बच गई। छात्रा बिल्हौर थाना क्षेत्र के डोडवा जमौली गांव निवासी नीरज कुमार की पुत्री है।इस पूरे मामले पर चौबेपुर इंस्पेक्टर से बात करने पर उन्होंने बताया कि जाँच में पता चला है कि छात्रा ने कॉलेज प्रबंधन पर दबाब बनाने के लिए यह सब किया। कुछ लोगों ने छात्रा को उकसाया है। जाँच की जा रही है। शांति व्यवस्था बनी हुई है।

भाजपा नेता आनंद शुक्ला कांग्रेस में शामिल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर दक्षिण में कांग्रेस ने अपने पांव पसारने की कवायद तेज कर दी है। गुरुवार को किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता एवं पूर्व जिला मंत्री आनंद शुक्ला ने अपने 20 साथियों के साथ तिलक हाल में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने इन सभी को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई।

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता का दावा है कि कई पार्टियों के नेता उनके संपर्क में हैं, जिन्हें जल्द ही कांग्रेस की सदस्यता दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के पूर्व जिला मंत्री आनंद शुक्ला और उनके साथियों के आने से कांग्रेस विशेषकर कानपुर दक्षिण में मजबूत होगी।

» कांग्रेस महानगर अध्यक्ष बोले- कई पार्टियों के नेता संपर्क में हैं

आनंद शुक्ला ने बताया कि वह 25 वर्षों से भाजपा के सदस्य रहे हैं। पूर्व में भाजपा में युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष से लेकर जिला मंत्री के पद पर रहे। कुछ वर्ष पूर्व जिला पंचायत सदस्य का चुनाव भी लड़े।

कांग्रेस में शामिल हुए आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस को मजबूत करने के लिए काम किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि उनके साथ सूर्य प्रसाद दीक्षित, गीता पांडेय, रितुल शर्मा, गरिमा शुक्ला, अर्जुन शुक्ला, शशांक शुक्ला, ज्योति दीक्षित, हीरालाल शर्मा, ओंकार शर्मा, शमा परवीन, शबाना बेगम, ज्योति दीक्षित, विकास शर्मा, रितिका पांडेय आदि ने कांग्रेस की सदस्यता ली है।

उनके 70 साथी जल्द ही सदस्यता लेंगे। संचालन कानपुर नगर ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष श्याम देव सिंह ने किया। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री, पूर्व बार अध्यक्ष नरेश त्रिपाठी, अतहर नईम, अजय तिवारी, चंद्रमणि मिश्रा, शंकर दत्त मिश्रा, हमजा निहाल, राजेंद्र बाल्मिकी, अमित मिश्रा, रितेश यादव, दिनेश बाजपेई आदि मौजूद रहे।

रेलवे अफसरों के निरीक्षण हवा हवाई, यात्री सुविधाओं की अनदेखी

सेंट्रल स्टेशन में यात्रियों को सुविधाओं के दावे तो बहुत हैं लेकिन राहत कुछ नहीं, स्टेशन पर रहती पानी की भारी किल्लत

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे अधिकारियों के निरीक्षण का शोर तो बहुत हुआ, लेकिन यात्रियों की मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। गुरुवार को प्रयागराज मंडल के डीआरएम रजनीश अग्रवाल ने भले ही पूरे स्टेशन का निरीक्षण कर नए निर्माण कार्यों को हरी झंडी देकर यात्री सुविधाओं से जुड़े बड़े-बड़े दावे कर गए हैं, लेकिन निरीक्षण के कुछ ही समय बाद प्लेटफार्म नंबर-1 पर नलों का पानी बंद हो गया। गर्मी से बेहाल यात्री पानी की तलाश में भटकते रहे, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी एसी कमरों में बैठकर यात्रियों की परेशानियों को समझने की जहमत नहीं उठा सके।

जहां एक ओर रेलवे की इंजीनियरिंग टीम प्लेटफार्म नंबर-9 की स्वचलित सीढ़ियों और फुट ओवर ब्रिज को हटाकर नई बिल्डिंग को जोड़ने की तैयारी में जुटी है, वहीं दूसरी ओर यात्रियों को पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधा तक नहीं मिल रही है। गुरुवार को तेज धूप और उमस के बीच यात्रियों की हालत बदतर हो गई। कई बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे पानी के लिए परेशान होते देखे गए। जानवर तक प्यास से तड़पते नजर आए, लेकिन स्टेशन पर कहीं जगह नलों में पीने का पानी नहीं आता दिखा। रेलवे भले ही नई बिल्डिंग, स्वचलित सीढ़ियां और हाई-टेक सुविधाओं की बात कर रहा हो, लेकिन जब तक यात्रियों की मूल समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक यह सारे प्रयास अधूरे ही रहेंगे। जरूरत है कि रेलवे प्रशासन जमीन पर उतरकर देखे कि असल दिक्कतें क्या हैं, वरना यह सारे निरीक्षण सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह जाएंगे।

सम्पादकीय

प्रतिभाओं के अनुकूल वातावरण बनाएं

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़-पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां-बाप खून-पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं-कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा-अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे-धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे-तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे-मोटे काम-धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे।

दरअसल, धीरे-धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं। कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते-निखरते हैं।

गंभीर विषमता का कारक बना पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद

शिवांग अग्निहोत्री पत्रकार

यूं तो देश के अंदर तमाम विशेषज्ञों ने अपने-अपने मापदंडों के आधार पर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद की मौजूदा स्थिति अपने-अपने लेखों में प्रकाशित की है। मैं भी कई वर्षों की क्राइम जर्नलिज्म में की गई अपनी तपस्या के आधार पर पश्चिम बंगाल के मौजूदा हालातों पर एक क्रिमिनोलॉजी से जुड़ा आर्टिकल लिख रहा हूं। 18 वीं शताब्दी में बंगाल की राजधानी रहा मुर्शिदाबाद जो भारत के अंदर अपनी उच्च गुणवत्ता वाली रेशम के लिए जाना जाता है वह एकाएक कैसे हिंदू आबादी के पलायन का केंद्र बिंदु बन चुका है। मौजूदा केंद्र सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ अमेंडमेंट बिल पास करा लिया तो जिन लोगों की नज़र में यह बिल अनैतिक है उनके द्वारा बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में तमाम यचिकाएं भी दायर कर दी गई और उनका संज्ञान लेकर सुप्रीम कोर्ट के द्वारा उक्त सरकार से सवाल भी कर लिया गया है।

उसके बाद भी जहां भारत के अन्य राज्यों में शांति का माहौल स्थापित है तो वहीं पश्चिम बंगाल में इतनी हिंसा क्यों आईए उस पर दृष्टि डालते हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदू पलायन मुख्यत: सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य के कारण हो रहा है। इसके प्रमुख कारण धार्मिक तनाव, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता हैं। यदि धार्मिक तनाव और हिंसा पर दृष्टि डाली जाए तो राज्य में हिंदू आबादी पर हमले की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। 2016 में धुलागढ़ में हुई सांप्रदायिक हिंसा में भी हिंदू घरों और दुकानों को निशाना बनाया गया था जिससे हिंदू समुदाय में भय का माहौल बना और कई लोगों ने पलायन भी किया इसके अलावा बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में पश्चिम बंगाल के अंदर तमाम प्रदर्शन हुए उसके बाद जब वहां की सरकार के द्वारा उन प्रदर्शनों केखिलाफ पक्षपात रूपी कार्यवाही की गई तो उससे भी स्थानीय हिंदू आबादी स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगी। मुर्शिदाबाद की ऐसी स्थिति का कारण कुछ राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी हैं उदाहरण के तौर पर आरएसएस ने पश्चिम बंगाल में हिंदू आबादी में गिरावट पर चिंता जताई है और इस विषय को देश की एकता और अखंडता के लिए गंभीर खतरा बताया है। आरएसएस के द्वारा राज्य सरकार पर मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति अपनाने का आरोप लगाया गया है वहीं भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की है जिससे हिंदू समुदाय को इन हमलों और धमकियों से सुरक्षित किया जा सके। इस तरह की प्रतिक्रियाएं और गतिविधियां भी उक्त स्थान पर तनाव का माहौल पैदा कर रहीं हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्रीय अभिजीत बनर्जी का मानना है कि पलायन मुख्य रूप से सामाजिक नेटवर्क और आर्थिक अवसरों के कारण होता है ना कि केवल उत्पीड़न के चलते पर जब मंशा धर्म के आधार पर अपराधिक बन जाए और एक समुदाय को दूसरे समुदाय पर हावी होने के लिए छोड़ दिया जाए तो वहां पर भी पलायन की स्थिति बन जाती है। जहां तक सवाल जनसांख्यिकीय परिवर्तन का है तो बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण सीमावर्ती जिलों और कोलकाता जैसे शहरों में मुस्लिम आबादी में वृद्धि हुई है जबकि हिंदू आबादी में कमी आई है। कोलकाता के राजा बाजार, भवानीपुर और बालीगंज जैसे इलाकों में बंगाली हिंदुओं का पलायन हुआ है। अब यदि निष्कर्ष पर प्रकाश डाला जाए तो पश्चिम बंगाल में हिंदू पलायन का मुद्दा बहुआयामी है जिसमें धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक कारक शामिल हैं। जिसको लेकर इन विषम परिस्थितियों में एक संतुलित और संवेदनशील दृष्टिकोण से विचार करने की आवश्यकता है ताकि सभी समुदायों के बीच विश्वास और सुरक्षा की भावना बनी रहे। यह मेरी ओर से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद की स्थिति को देखते हुए व्यक्तिगत लेख लिखा गया है। यदि इसमें कुछ त्रुटियां मौजूद हैं तो उनका जिम्मेदार भी मैं स्वयं हूं। इसके साथ ही मैं सभी बुद्धिजीवियों से यह निवेदन भी करना चाहता हूं कि इसे पढ़ने के बाद अपनी प्रतिक्रिया जरूर दें।

भारतीय हॉकी का यादगार साल और बाकी मलाल

ओलंपिक स्वर्ण पदक

प्रदीप मैगज़ीन

15 मार्च, 1975 को भारतीय हॉकी टीम का कुआलालंपुर में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर विश्व कप हॉकी चैंपियनशिप जीतना काफी अहम था। यह उपलब्धि इससे पहले, और बाद में भी, कभी हासिल नहीं की गई थी। भारतीय हॉकी टीम जीत की कई कहानियों से लैस रही है।नदी की धार की तरह समय बहता है, जिसमें अतीत और वर्तमान के मिश्रण से कुछ नया पैदा होता है। विगत के कुछ क्षण ऐसे होते हैं जिन्हें हम भुला देना चाहते हैं। और फिर गर्व भरी कुछ ऐसी युगांतकारी घड़ियां भी होती हैं, जो एक राष्ट्र के रूप में हमारी सामूहिक पहचान को पुष्ट करती हैं, जिनका खुशनुमा अहसास हम कभी छोड़ना नहीं चाहते।

कोई पचास साल पहले, देश में आपातकाल घोषित कर दिया गया था। उस वर्ष 1975 को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक माना जाता है, लेकिन हॉकी प्रेमियों के लिए वह साल हर्षोल्लास का रहा।

आपातकाल से करीब तीन महीने पहले, 15 मार्च, 1975 को, भारतीय हॉकी टीम ने देश के सपने को साकार कर दिखाया, जब कुआलालंपुर में विश्व कप हॉकी चैंपियनशिप जीती, एक ऐसी उपलब्धि जो इससे पहले, और बाद में भी, कभी हासिल नहीं की गयी। यह ऐतिहासिक जीत तब मिली

थी, जब किसी वक्त अजेय रही टीम, जिसने कभी आठ ओलंपिक स्वर्ण जीते थे लेकिन सत्तर का दशक आते-आते 'अपराजेयता' का तमगा गंवा चुकी थी। 1960 में भारत को ओलंपिक विजेता की गद्दी से उतरना पड़ा था। देश विभाजन के चलते अस्तित्व में आया पाकिस्तान भारतीयों के लिए तगड़ा प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा। इस प्रतिद्वंद्विता ने हॉकी जगत को रोमांच से भर दिया था, जिसमें भारत ने 1964 के ओलंपिक में वापसी करते हुए एक बार फिर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के बावजूद भारत का ग्राफ नीचे गिरता गया, जिसका असर 1968 के ओलंपिक में भी दिखा, जब वह तीसरे स्थान पर पिछड़ गया। पदक सुनहरी से बदलकर तांबई हो गया।

मॉस्को में जीता ओलंपिक स्वर्ण पदक कई मायनों में अलग था क्योंकि जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसे तगड़ी टीमों द्वारा बायकॉट के कारण इसका महत्व कम हो गया था।

1975 में विश्व कप जीतना एक तरह से टीम की आखिरी बड़ी हॉकी उपलब्धि है।वह विश्व कप प्राकृतिक टर्फ (घास) पर खेले जाने वाले चंद प्रमुख हॉकी आयोजनों में से एक था, क्योंकि तब तक हॉकी की दुनिया में बदलाव आने लगा था और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए सिंथेटिक टर्फ पसंदीदा विकल्प बन रहा था। इसका भारत पर बहुत विपरीत असर पड़ा, क्योंकि सिंथेटिक टर्फ पर भारतीयों की कलाई की लचक, चकमा देने के कौशल में श्रेष्ठता की तुलना में फिटनेस, गति और स्टेमिना अधिक मायने रखते थे। कुआलालंपुर में 32 में से 8 मैच बारिश के कारण स्थगित करने पड़े थे, इसने भी विश्व हॉकी महासंघ के अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट सिंथेटिक टर्फ पर खिलाने के फैसले को गति दी। यह भारत में हाकी के लिए घातक झटका रहा,जो पहले ही प्रशासकों की आपसी खींचतान और भाई-भतीजावाद से पीड़ित थी, परिणामस्वरूप 1975 विश्व कप आयोजन भारत से मलेशिया स्थानांतरित किया गया था।

पुरी का जादू मंदिर, समुद्र, संस्कृति खोले !

पुरी का प्रमुख आकर्षण है, जगन्नाथ मंदिर। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के अवतार, जगन्नाथ जी को समर्पित है। यहाँ हर साल विशाल रथ यात्रा (ऋहृह्लद्ध ड्डहृह्लड्ड) का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। यह रथ यात्रा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और हर साल जुलाई महीने में आयोजित होती है।

पुरी, भारत के ओडिशा राज्य में स्थित एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है। यह स्थान खासकर अपने ऐतिहासिक मंदिरों, खूबसूरत समुद्र तटों और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। पुरी को जगन्नाथ की नगरी% के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यहां स्थित जगन्नाथ मंदिर हिन्दू धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है।

पुरी न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध संस्कृति का भी संगम है।

पुरी का प्रमुख आकर्षण है, जगन्नाथ मंदिर। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के अवतार, जगन्नाथ जी को समर्पित है। यहाँ हर साल विशाल रथ यात्रा (ऋहृह्लद्ध ड्डहृह्लड्ड) का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं।

यह रथ यात्रा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और हर साल जुलाई महीने में आयोजित होती है। जगन्नाथ मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है, और यह हिंदू धर्म के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, ऋषिकेश और पुरी) में से एक माना जाता है। पुरी समुद्र तट

पुरी के समुद्र तट को भारत के सबसे सुंदर समुद्र तटों में गिना जाता है। यहां का नीला पानी, सफेद रेत और ठंडी हवा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

आप यहां सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं।

समुद्र में तैरने के साथ-साथ, पर्यटक बीच पर आकर सुखद समय बिता सकते हैं और विभिन्न जल क्रीड़ाओं का आनंद ले सकते हैं। सुन्दरगड़ और चिलिका झील पुरी के पास स्थित सुन्दरगड़ और चिलिका झील पर्यटकों के लिए एक और आकर्षण का केंद्र है।

चिलिका झील एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झीलों में से एक है। यहां विभिन्न प्रजातियों के पक्षी रहते हैं और सर्दियों में यह एक प्रमुख पक्षी अभयारण्य बन जाता है। यहां बोटिंग का अनुभव भी बहुत रोमांचक होता है, खासकर जब आप झील के बीचो-बीच स्थित छोटे द्वीपों को देख सकते हैं।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर

पुरी के आसपास कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल हैं, जैसे कि कोणार्क सूर्य मंदिर, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और इतिहास के लिए प्रसिद्ध है।

पुरी में अन्य मंदिर जैसे कि लिंगराज मंदिर, सुभद्रा मंदिर और गुंडिचा मंदिर भी दर्शनीय हैं। इन मंदिरों का अद्भुत स्थापत्य और धार्मिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

स्वादिष्ट भोजन

पुरी का भोजन भी खास है। यहां के लोकल व्यंजन, खासकर समुद्री भोजन, पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं।

पुरी के खास पकवानों में चूड़ा-घांटी, पानी पुरी, पिठा और भाजी शामिल हैं। इसके अलावा, जगन्नाथ महाप्रसाद (प्रसाद) भी यहां का प्रमुख आकर्षण है, जिसे श्रद्धालु बड़े श्रद्धा भाव से ग्रहण करते हैं।

शॉपिंग और हस्तशिल्प

पुरी जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और आरामदायक होता है। गर्मी में यहां का तापमान काफी बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

यह स्थान हर किसी के लिए कुछ न कुछ खास पेश करता है, चाहे वह धार्मिक तीर्थ यात्री हो या एक साहसी यात्री जो प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहता हो। पुरी की यात्रा निश्चित रूप से हर पर्यटक के दिल में एक अमिट छाप छोड़ जाती है।

लुक हो स्टनिंग, साड़ी हो प्रिंटेड!

अगर आप किसी फैमिली फंक्शन में शामिल होने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट लुक पाना चाहती हैं। तो आप कुछ साड़ियों को अपने वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ साड़ी ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं।

महिलाएं कई सारे फंक्शन में साड़ी पहनना पसंद करती हैं। साड़ी में आप न सिर्फ खूबसूरत नजर आती हैं, बल्कि इससे आपका लुक भी अट्रैक्टिव नजर आता है। हालांकि साड़ी में आपको कई सारी डिजाइन्स मिल जाएंगी, जिनको आप फंक्शन के हिसाब से स्टाइल कर सकती हैं।

ऐसे में अगर आप किसी फैमिली फंक्शन में शामिल होने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट लुक पाना चाहती हैं। तो आप कुछ साड़ियों को अपने वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ साड़ी ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं।

मल्टी कलर ऑर्गेंजा साड़ी

फैमिली फंक्शन में बेस्ट और स्टाइलिश लुक पाने के लिए ऑर्गेंजा साड़ी वियर कर सकती हैं। इस साड़ी में आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएगा। इस साड़ी में ऑर्गेंजा फैब्रिक है, जिसको आप किसी भी फैमिली फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही जगहों से 1000 से 1500 तक की कीमत में खरीद सकते हैं। इस तरह की साड़ी के साथ आप पर्ल वाली ज्वेलरी के साथ फुटवियर में हील्स पहन सकती हैं।

प्रिंटेड साटन साड़ी

अगर आप लाइट कलर में साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आप प्रिंटेड साटन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस साड़ी को स्टाइल करके आप भीड़ से अलग नजर आएंगी। इस साड़ी में आपको कई कलर ऑप्शन मिल जाएंगी। इसको आप स्लीवलेस ब्लाउज के साथ कैरी कर सकती हैं। आप इसके साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं आप हील्स पहन सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी अगर आप भी सिंपल और अट्रैक्टिव लुक पाना चाहती हैं, तो आपको फ्लोरल प्रिंट सा?ी वियर कर सकती हैं। इन दिनों यह साड़ी काफी ट्रेंड में हैं और इसमें आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा। आप इस तरह की फ्लोरल प्रिंट सा?ी का चुनाव फैमिली फंक्शन में स्टाइल करने के लिए कर सकती हैं। इस साड़ी में स्टाइलिश लुक पाने के लिए गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी के साथ झुमके स्टाइल कर सकती हैं।

डोलो-650 की चर्चा, विदेशी डॉक्टर की चिंता !

अमेरिका के एक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और स्वास्थ्य शिक्षक डॉ. पलानीअप्पन मनिकम ने डोलो-650 के उपयोग के बारे में अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने 14 अप्रैल को एक्स पर लिखा, %भारतीय डोलो 650 को कैडबरी जेम्स की तरह लेते हैं।% डॉक्टर के हालिया ट्वीट ने डोलो-650 को फिर से चर्चा का केंद्र बना दिया है, जिससे लोगों के बीच बहस छिड़ गई है।

बुखार और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाई डोलो-650 कोविड-19 महामारी के दौरान लोकप्रिय हुई थी। महामारी के दौरान भारतीयों ने इसका खूब सेवन किया और अब भी कर रहे हैं। महामारी के बाद, यह ब्रांड विवादों में आया और अब एक विदेशी डॉक्टर के ट्वीट ने इसे फिर से चर्चा में ला दिया है।

विदेशी डॉक्टर का ट्वीट

अमेरिका के एक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और स्वास्थ्य शिक्षक डॉ. पलानीअप्पन मनिकम ने डोलो-650 के उपयोग के बारे में अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने 14 अप्रैल को एक्स पर लिखा, भारतीय डोलो 650 को कैडबरी जेम्स की तरह लेते हैं। डॉक्टर के हालिया ट्वीट ने डोलो-650 को फिर से चर्चा का केंद्र बना दिया है, जिससे लोगों के बीच बहस छिड़ गई है। डोलो-650 के बारे में डोलो-650 एक पैरासिटामोल ब्रांड है जिसका उपयोग बुखार और दर्द के इलाज के लिए किया जाता है। इस दवा को पैरासिटामोल के नाम से जाना जाता है, जो एक आम दर्द निवारक और बुखार कम करने वाली दवा है। इसका उपयोग बुखार, सिरदर्द, दांत दर्द, मांसपेशियों में दर्द और जोड़ों के दर्द में किया जाता है। डोलो-650 के कुछ संभावित दुष्प्रभाव भी हैं, जैसे पेट दर्द, उल्टी, दस्त और एलर्जी। कोविड के दौरान डोलो की प्रसिद्धि में वृद्धि कोविड-19 महामारी के दौरान, डोलो-650 भारत में एक आम नाम बन गया। लोगों ने बुखार के मामूली लक्षणों पर भी इस दवा का सेवन किया, और मीम्स ने इसकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। माइक्रो लैब्स, डोलो-650 के निर्माता, ने 2020 से 350 करोड़ से अधिक गोलियां बेचीं, जिससे एक साल में 400 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ। डोलो-650 की बिक्री में वृद्धि उल्लेखनीय थी। महामारी से पहले यह 7.5 करोड़ स्ट्रिप्स प्रति वर्ष थी, जो एक साल बाद 9.4 करोड़ स्ट्रिप्स हो गई और 2021 के अंत तक 14.5 करोड़ स्ट्रिप्स तक पहुंच गई, जो 2019 की तुलना में लगभग दोगुना है।

डोलो-650 के विवाद

डोलो-650 के आसपास कई विवाद रहे हैं, जिनमें इसके ओवर-प्रिस्क्रिप्शन और मार्केटिंग प्रैक्टिसेस शामिल हैं। कुछ लोगों ने इसके अत्यधिक उपयोग और दुष्प्रभावों के बारे में चिंता जताई है।

डिस्क्लेमर-इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

निवेश को स्थिर बनाने के लिए गोल्ड से डायमण्ड ज्वैलरी खरीद की ओर निवेश करना होगा: श्रेयांश कपूर

» सोना बनने जा रहा है लखटकिया, नेशनल गोल्ड आउटलुक मुंबई में श्रेयांश कपूर ने किया बड़ा ऐलान। काउंसिल द्वारा हुए सम्मानित

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। मैनेजिंग पार्टनर काशी ज्वैलर्स, श्रेयांश कपूर को नेशनल गोल्ड आउटलुक के तीसरे एडिशन के दौरान जियो कंवेन्शन सेंटर मुंबई में हुए एक भव्य समारोह में गोल्ड ज्वैलरी उद्योग में अपने अनुभव और सुझाव से जो गति और दिशा प्रदान की है उससे उद्योग जगत को काफी फायदा पहुंचा है। चर्चा के दौरान गोल्ड ज्वैलरी उद्योग के विशिष्ट विशेषज्ञ ने दमदार बयान देते हुए कहा कि सोना लखटकिया के करीब है। जिसमे आम ग्राहक को गर्मी की सहालग के मद्देनज़र अपनी जरूरतों के हिसाब से गोल्ड ज्वैलरी खरीद में अपने निवेश को स्थिर बनाने के लिए गोल्ड ज्वैलरी से डायमण्ड ज्वैलरी खरीद की ओर निवेश करना होगा। जिससे गोल्ड की तुलना में कम कीमत पर डायमण्ड ज्वैलरी की खरीद ग्राहक की जरूरत को पूरा करने में सहयोग करेगी।

ऐसे माहौल में उपभोक्ताओं के अनुकूल और बाज़ार को संतुलित स्थिति में बनाने के लिए एक संवाद गोष्ठी का आयोजन कामाख्या गोल्ड आउटलुक के डायरेक्टर श्री मनोज कुमार झा व श्रीमती पूनम झा ने मुंबई स्थित जियो कंवेंशन सेंटर में दिनांक 11 अप्रैल 2025 को हुआ। जिसमें ज़ी बिज़नेस, सीएनबीसी, एटी नाउ व अनेक विशिष्ट संपादक, बुद्धिजीवी एवं अर्थशास्त्री देशभर के दिग्गज ज्वैलर्स, बुलियन एक्सपर्ट एनालिस्ट और बैंकर सम्मिलित हुए।

काशी ज्वैलर्स के श्रेयांश कपूर ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति जियो पॉलिटिकल टेंशन, सेंट्रल बैंको की खरीदारी, डॉलर का एकाधिकार कम होने जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसके कारण वैश्विक स्तर पर सोने की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। काशी ज्वैलर्स के मैनेजिंग पार्टनर श्री श्रेयांश कपूर जी ने ज़ी बिज़नेस, सीएनबीसी एवं एटी नाउ पर अपने विचार रखते हुए बताया कि भारत सोने की जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। जिसके कारण निवेशक सोने की खरीद में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

सहालग को देखते हुए सोने के साथ-साथ डायमण्ड ज्वैलरी में निवेश करना और अपने बजट में अपनी पसंद की ज्वैलरी 18 कैरेट, 14 कैरेट जो कि भारत सरकार द्वारा तय मानकों के अनुरूप कम कीमत पर व 100 प्रतिशत एक्सचेंज पॉलिसी के साथ काशी ज्वैलर्स में उपलब्ध हैं।

काशी ज्वैलर्स के मैनेजिंग पार्टनर श्रेयांश कपूर को सम्मानित करते गोल्ड आउटलुक के डायरेक्टर मनोज कुमार झा व अन्य गणमान्य

साथ ही साथ चांदी के भाव व उसके ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए चांदी के आभूषण खासतौर पर गले का सेट, कान के बाले, टॉप्स व अंगूठी आदि बहुत सुंदर और आकर्षक डिज़ाइन में डायमण्ड ज्वैलरी कारीगरों द्वारा निर्मित की गई हैं। पायल, बिछिया, सिल्वर ट्रे ग्लास और बहुत से गिफट आइटम चांदी में उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाये गये हैं। उपलब्ध हैं। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि विश्वसनीय ज्वैलर्स से खरीदकर अपने निवेश को सुरक्षित करें। कार्यक्रम के आखिरी में कामाख्या ज्वैलर्स की डायरेक्टर पूनम झा व मनोज कुमार झा ने सभी का धन्यवाद करते हुए कामना कि एक मंच पर ऐसे प्रोफेशनल्स को इकट्ठा करना जो गोल्ड मार्केट में अहम भूमिका निभा रहे हैं और आगे भी बड़ी भूमिका निभाएंगे।

मुख्य सचिव व डीजीपी ने परखी पीएम दौरे की तैयारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार शहर आये। दोपहर 2.54 पर सीएसए में बने हैलीपैड पर हेलीकॉप्टर के जरिये दोनों ही उच्चाधिकारी पहुंचे और सड़क मार्ग से नयागंज मेट्रो स्टेशन तक गये। यहां मेट्रो पर सवार होकर रावतपुर तक पीएम के रूट का निरीक्षण किया। इसके बाद सड़क मार्ग से फिर से प्रधानमंत्री की जनसभा स्थल सीएसए तक गए। यहां परिसर में हो रहे काम को देखा और अधिकारियों से संपूर्ण जानकारी ली साथ ही जरूरी निर्देश भी दिये।

सड़क मार्ग से नयागंज जाने के दौरान डीजीपी और मुख्य सचिव ने ऊंचे भवनों पर स्नाइपर्स और रूफ टॉप ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। सीएसए के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के बाद दोनों अधिकारियों ने स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक

भी की। पीएम मोदी के आने से लेकर शहर में कितनी देर रुकना है और किन परियोजनाओं का निरीक्षण करने के बाद उनका शुभारंभ करना है इसकी जानकारी ली।

किन किन स्थानों पर कितनी गाड़ियों की जरूरत होगी और कहां-कहां सिक्योरिटी प्लान कैसे कैसे करना है इसपर भी मंथन किया। कार्यक्रम स्थल पर कितने लोगों को रहना है और कौन कौन पीएम मोदी का स्वागत करेगा यह भी अधिकारियों से जाना। इसके साथ ही सुरक्षा के लिए कितनी पुलिस फोर्स की जरूरत पड़ेगी और कितना पुलिस फोर्स कानपुर कमिश्नरेट के पास है? कितना पुलिस फोर्स बाहर से मंगाया जाना है, पीएम मोदी की फ्लीट के लिए कितनी गाड़ियां होंगीं यह सभी जानकारियां अफसरों से मांगी। उन्होंने कहा कि सभी जरूरी तैयारियों को पूरा कर लिया जाये।

ट्रैफिक को लेकर हो पुख्ता इंतजाम

अधिकारियों ने पीएम मोदी के प्रस्तावित रूट को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग का इंतजाम करने के लिए कहा। रूट के दौरान ट्रैफिक का बेहतर इंतजाम करने के लिए निर्देश दिये। इस दौरान एडीजी जोन आलोक सिंह, आईजी जोन जोगेंद्र सिंह, पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार, एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर हरीश चंदर, डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी और डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार मौजूद रहे। मेट्रो में भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ दीक्षा जैन भी मौजूद रहीं।

कानपुर: कांग्रेस में फिर फूटा गुटबाजी का बम...

एक कांग्रेस पदाधिकारी ने सोशल मीडिया पर लिखा 'संघर्ष की बेला पर रण छोड़ कर भागना, कैसे करोगे 4.22 लाख को 5.50 लाख'

निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर कांग्रेस में आलोक मिश्र–पवन गुप्ता विवाद की रार अभी शांत भी नहीं पड़ी थी कि अब एक और विवाद सामने आ गया है. दरअसल, पिछले दिनों कांग्रेस ने जो प्रदर्शन किया था, उसमें कई नेता ऐसे रहे जो तिलकहॉल तक तो आए लेकिन उसके बाद जुलूस में न जाकर फोटो सेल्फी लेकर वापस हो लिए.

जब कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई तो पार्टी नेताओं का एक धड़ा, उन चेहरों की मुखालफत में जुट गया है, जो तिलकहॉल में केवल हाजिरी लगाकर वापस हो लिए थे. कांग्रेस में अंदरखाने चर्चा है कि लोकसभा चुनाव लड़े आलोक मिश्र भी ऐसे चेहरों में शामिल थे, जो तिलकहॉल तक तो आए लेकिन उसके बाद वापस हो लिए. ऐसे ही नेताओं के खिलाफ शहर कांग्रेस कमेटी में कई पद संभाल चुके कृपेश त्रिपाठी ने हमला बोला है.

कृपेश ने अपनी दो फेसबुक पोस्ट के जरिए ऐसे नेताओं पर हमला बोला है. इसमें उन्होंने लिखा कि संघर्ष की बेला पर रण छोड़ कर भागना, बहुत शर्मनाक, कैसे करोगे 4 लाख बाइस हज़ार को 5 लाख पचास हजार,, रण छोड़ कर ? वहीं, दूसरी पोस्ट में लिखा कि विपक्ष की राजनीति रसमलाई नहीं होती है. एफआईआर से डर लगे तो घर बैठो, कोई जरुरी नहीं, किसी डॉक्टर ने तो कहा नहीं है, कृपेश की इस पोस्ट के बाद कांग्रेस की गुटबाजी भी मुखर होकर सामने आ गई है.

कांग्रेसी भी इस बात से परेशान हैं कि एक बवाल अभी थमा नहीं था कि दूसरा मामला सामने आ गया. इस तरह की लगातार बयान बाजी से पार्टी को भीषण नुकसान हो रहा है और भाजपा के लोग चुटकी ले रहे हैं।

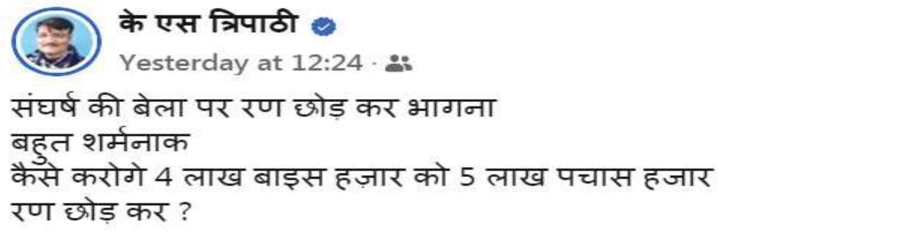
के एस त्रिपाठी
Yesterday at 12:24
संघर्ष की बेला पर रण छोड़ कर भागना
बहुत शर्मनाक
कैसे करोगे 4 लाख बाइस हज़ार को 5 लाख पचास हजार
रण छोड़ कर ?

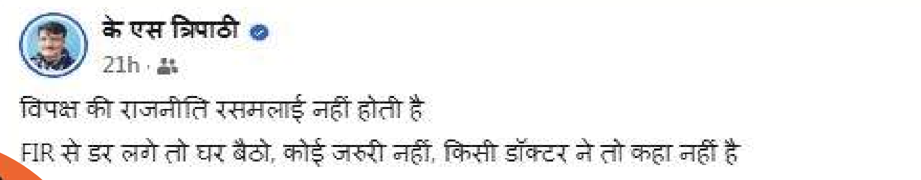
के एस त्रिपाठी
21h
विपक्ष की राजनीति रसमलाई नहीं होती है
FIR से डर लगे तो घर बैठो, कोई जरूरी नहीं, किसी डॉक्टर ने तो कहा नहीं है

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

नाबालिग से दुष्कर्म में पुलिस ने कसा शिकंजा

» एसपी की सख्ती के बाद नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधीक्षक के सख्त रुख के बाद थाना रसूलाबाद पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के एक सनसनीखेज मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है, जिससे अपराधियों के बीच दहशत का माहौल है। कोतवाल अनिल कुमार ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बीते 12 अप्रैल को थाना रसूलाबाद में एक पीड़ित पिता ने एक युवक के खिलाफ अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म की गंभीर शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया और गहन जांच पड़ताल शुरू कर दी।

प्रारंभिक जांच के बाद, पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसमें पॉक्सो एक्ट (Protection of Children from Se&ual Offences Act) और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम (SC/ST Act) की धाराओं को भी जोड़ा। इसके बाद से ही पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी।

गुरुवार को पुलिस को उस समय बड़ी सफलता मिली, जब सूचना के आधार पर फरार चल रहे आरोपी छोटू उर्फ जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी पड़ोसी जनपद औरैया के सहायल थाना क्षेत्र के भदखार गांव का रहने वाला है और उसे बेला रसूलाबाद रोड पर सिठऊमताना मोड़ के पास से धर दबोचा गया।

इस महत्वपूर्ण गिरफ्तारी को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक (एसआई) योगेंद्र कुमार शर्मा, कांस्टेबल अंकित कुमार और कांस्टेबल विनोद कुमार शामिल थे, जिनकी सक्रियता और तत्परता ने आरोपी को पकड़ने में अहम भूमिका निभाई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से गहन पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। रसूलाबाद पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की क्षेत्र में आमजन ने सराहना की है।

सीएचसी इमरजेंसी में तैनान गार्ड के साथ अभद्रता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

घाटमपुर। घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इमरजेंसी में तैनात रहने वाले सेवानिवृत्ति सैनिक गार्ड के साथ बीती रात मेडिकल कराने आए कुछ लोगों के द्वारा अभद्रता की गई। सेवानिवृत्ति सैनिक द्वारा शिकायत पुलिस से की गई है। पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने के लिए सैनिक कल्याण बोर्ड की तरफ से सेवानिवृत्ति सैनिकों की गार्ड के रूप में तैनाती है। घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात सेवानिवृत्ति सैनिक वीर सिंह पुत्र स्वर्गीय गंगाराम निवासी अशोक नगर दक्षिनी ने घाटमपुर थाना में शिकायत पत्र देते हुए बताया कि वह सैनिक कल्याण बोर्ड के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर में गार्ड के रूप में तैनात है। बीती रात वह अपनी ड्यूटी में था। तभी मेडिकल कराने आए व्यक्ति के साथ मौजूद रामू पंडित ने आकर अस्पताल के इमरजेंसी के सामने अपना वाहन खड़ा कर दिया। जिस पर उसने रामू से अपनी गाड़ी निर्धारित स्थान पर खड़ा करने के लिए कहा। जिस पर आरोप है की रामू पंडित द्वारा उसे वह उसके स्टाफ के साथ गाली गलौज की जाने लगी। जब उसने गाली गलौज का विरोध किया, तो साथ में मौजूद उसके साथी मयंक तिवारी,शुभम तिवारी, ओम प्रकाश, जय देव तिवारी,रवि त्रिपाठी आदि सभी एक राय होकर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने पर आमदा हो गए। आरोप है रामू पंडित में अपना रिवाल्वर दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दी, साथ ही बचाने आए उसके साथी बलराम सिंह के साथ भी गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने लगे। पीड़ित सेवानिवृत्ति सैनिक द्वारा घाटमपुर थाना में शिकायत पत्र देते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई गई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

बीएचयू में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया पर गंभीर सवाल

छात्रा अर्चिता सिंह को न्याय दिलाने की माँग तेज़

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

वाराणसी। पूर्वांचल में लोकप्रिय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के हिंदी विभाग में पीएचडी प्रवेश को लेकर एक महिला अभ्यर्थी, अर्चिता सिंह, के साथ कथित रूप से हो रहे अन्याय ने विश्वविद्यालय परिसर में गंभीर बहस छेड़ दी है। गरीब पृष्ठभूमि से आने वाली अर्चिता ने नियमानुसार सभी दस्तावेज़ प्रस्तुत किए, फिर भी प्रवेश प्रक्रिया को रोके जाने पर छात्रों और शिक्षकों में असंतोष देखा जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अर्चिता सिंह ने पीएचडी प्रवेश की निर्धारित काउंसलिंग तिथि पर उपस्थित होकर अपने सभी ज़रूरी प्रमाणपत्र जमा किए थे। चूंकि उस समय नया (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं था, उन्होंने विश्वविद्यालय की वर्षों से प्रचलित परंपरा के अनुसार विभाग की तरफ से दिये गये ndertaking Form को भरा तथा नया EWS सर्टिफिकेट निर्धारित तिथि 31 मार्च 2025 से पूर्व जमा कर दिया। विश्वविद्यालय विभाग ने शपथपत्र स्वीकार करते हुए अर्चिता का प्रवेश EWS श्रेणी में काउंसलिंग के दौरान सुनिश्चित किया। उन्होंने 29 मार्च को ही नया और वैध EWS प्रमाणपत्र विभाग को ईमेल और हार्डकॉपी दोनों माध्यमों से सौंप दिया।परिणाम आने पर अर्चिता का नाम प्रतिक्षारत सूची मे प्रथम स्थान पर था जो की एक उम्मीदवार द्वारा सीट छोड़ने पर इनका एडमिशन होना सुनिश्चित था। ऐसा ही हुआ भी। लेकिन एक दूसरा उम्मीदवार भास्कर आदित्य त्रिपाठी है, जो की एक राजनीतिक पृष्ठभूमि से आता है और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के ABVP का इकाई मंत्री है। जिसने जबरन तरीके से क्या। द्वारा वर्षो से चली आ रही undertaking लेने के नियम को चुनौती दी है। इस पर परीक्षानियंता ने प्रवेश की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। इस आधार पर अर्चिता का मामला विश्वविद्यालय की प्रवेश समन्वय समिति (UACB) को भेज दिया गया, जहाँ अब तक कोई स्पष्ट निर्णय नहीं आया है।

15 दिनों से न्याय की प्रतीक्षा

इस पूरे घटनाक्रम से आहत अर्चिता बीते 15 दिनों से एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय दौड़ रही हैं। न तो उन्हें कोई स्पष्ट जवाब मिल रहा है और न ही प्रवेश सुनिश्चित किया जा रहा है। उनका कहना है कि मैंने समय पर सभी शर्तें पूरी कीं, विभाग ने खुद दस्तावेज़ स्वीकारे, अब जब कोई गलती नहीं है तो मुझे क्यों परेशान किया जा रहा है?

शिक्षा जगत और महिला संगठनों में रोष

इस घटना ने न केवल बीएचयू के छात्रों को बल्कि कई महिला संगठनों और शिक्षाविदों को भी आंदोलित कर दिया है। उनका कहना है कि यह मामला सिर्फ एक प्रवेश से जुड़ा नहीं है, बल्कि महिला शिक्षा, सामाजिक न्याय और पारदर्शिता का सवाल भी है।मामले में अब राष्ट्रीय महिला आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, यूजीसी और बीएचयू प्रशासन से न्याय की माँग की जा रही है।

अयोध्या में आंधी-बारिश से हाहाकार, पांच महिलाओं सहित 6 की मौत

» तेज आंधी-बारिश और ओलावृष्टि ने ली जानें

»खेत-खलिहानों से लेकर हाईवे तक तबाही ही तबाही

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। बृहस्पतिवार की शाम अयोध्या समेत समूचे अवध क्षेत्र में मौसम ने अचानक रौद्र रूप ले लिया। 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी, तेज बारिश और ओलावृष्टि ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया।

इस कुदरती कहर में अयोध्या जनपद की पांच महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। कई इलाकों में दीवारें गिरीं, छप्पर उड़े और दर्जनों पेड़ धराशायी हो गए। गेहूं और आम की फसलें तबाह हो गईं। भेलसर और सोहावल क्षेत्र के महोली गांव में तीन महिलाएं ट्राली के नीचे दबकर मारी गईं, जबकि रौनाही में एक महिला की दीवार गिरने से मौत हो गई। इनायतनगर में एक वृद्धा की बाउंड्रीवॉल की चपेट में आकर जान चली गई। कई घायल जिला अस्पताल में भर्ती हैं।

हाइलाइट्स

आंधी की रफ्तार 50 किमी/घंटा
मृतक महिलाए 5 (सैदपुर, बुधौलिया, इनायतनगर से)
घायल- 4 (तीन महिलाएं और एक पुरुष)
फसल नुकसान- गेहूं व आम को भारी क्षति

अयोध्या की सेवा मेरे लिए सौभाग्य की बात-नवागंतुक डीएम

नए जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने संभाला कार्यभार

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या।जनपद अयोध्या के नवागत जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पहली प्रेस वार्ता कर मीडिया से संवाद किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने गुरुवार देर शाम अयोध्या जनपद का कार्यभार ग्रहण किया है। इससे पूर्व वे चन्दौली के जिलाधिकारी रह चुके हैं और अन्य प्रशासनिक पदों पर भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।

श्री फुंडे ने कहा,मुझे अयोध्या जैसे पुण्यभूमि की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि अयोध्या को विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने हेतु शासन और प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जनपद में चल रही विभिन्न परियोजनाओं व योजनाओं का संचालन इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।नए जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि आमजन और श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही, सभी विकास कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूर्ण कराया जाएगा। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभागीय अधिकारी प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई करें और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जनपदवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, संचालित परियोजनाओं का स्वयं निरीक्षण कर उन्हें शासन की मंशा के अनुरूप क्रियान्वित कराया जाएगा। जनशिकायतों के समाधान हेतु विभागीय समन्वय के साथ-साथ विभिन्न शिकायत पोर्टलों को भी प्रभावी रूप से सक्रिय रखा जाएगा, ताकि जनता की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो सके।

डूडी गांव में चिकनपॉक्स का प्रकोप, दर्जनों बीमार

संक्रमित लोगों को दवा बांटते चिकित्सक

मरीजों को तेज बुखार के साथ आंखें लाल होने और शरीर पर पानी भरे फफोले की आए रही हैं शिकायतें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। सिरौलीगौसपुर तहसील स्थित डूडी गांव में चिकन पॉक्स का प्रकोप फैल गया है। इस बीमारी से गांव में करीब 20 से अधिक लोग प्रभावित हैं, जिनमें अधिकतर बच्चे बताए जा रहे हैं।

डूडी गांव में संक्रमित बच्चों में गौरी (7), काजल (6), सलोनी (5), अमिता (13), शिवानी (4) समेत रमन, सोनी, लकी, अंजलि, ललित, अनिल और दिव्यांश शामिल हैं। मरीजों को तेज बुखार के साथ आंखें लाल होने और शरीर पर पानी भरे फफोले की शिकायत है।

सीएचओ की सूचना पर तत्काल सीएचसी अधीक्षक डॉ संतोष सिंह के निर्देश से स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची। टीम में डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. देव प्रताप सिंह, अभय सिंह, फार्मासिस्ट अमित दुआ, बीसीपीएम शैलेश रावत और आशा व आशा संगनी सीएचओ शामिल थे।

गांव में गंदगी बीमारी की बड़ी वजह

चिकित्सकों के अनुसार गांव में फैली गंदगी और मौसम में बदलाव के कारण यह बीमारी फैल रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर जाकर मरीजों की जांच की। सभी संक्रमित मरीजों को दवाइयां वितरित की गईं और उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. संतोष सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही चिकित्सकों की टीम को गांव भेजा गया और सभी पीड़ितों का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर दवाओं का वितरण किया गया है।उन्होंने टीम को निर्देशित किया कि मरीजों की बराबर निगरानी रखे।

इस मामले में जब सीएमओ अवधेश यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि टीम भेजी गई। सभी बच्चों का इलाज चल रहा है।

बाराबंकी में प्रकृति का कहर, 5 की मौत

तेज आंधी-पानी से जनजीवन अस्त-व्यस्त, किसानों को तगड़ा झटका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। तेज आंधी-पानी से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुई दुर्घटनाओं में 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई।

पहली घटना

थाना जैदपुर क्षेत्र के नवाबपुर कोड़ी गांव में आंधी से बचने के लिए तीन लोग स्कूल में शरण लिए थे।

इसी दौरान तेज हवाओं के कारण स्कूल की दीवार और टीन शेड भरभराकर गिर गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

दूसरी घटना

दूसरी घटना रामसनेहीघाट के बनी कोटर इलाके में हुई। यहां तेज आंधी के कारण एक पेड़ गिर गया। पेड़ की आड़ में खड़े दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गया है।

तीसरी घटना

थाना रामनगर के गांव कांप फतेहउल्लापुर की है। जहां की सिताबा पत्नी मैकू लाल की मौत हो गई है। सिताबा अपनी बहन के यहां आई थी। दीवार व पेड़ गिरने से मौत हो गई।परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हैं।

सीएम योगी ने तूफान, बारिश प्रभावित जिलों में दिए राहत के निर्देश

क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे व राहत कार्य करें अधिकारी

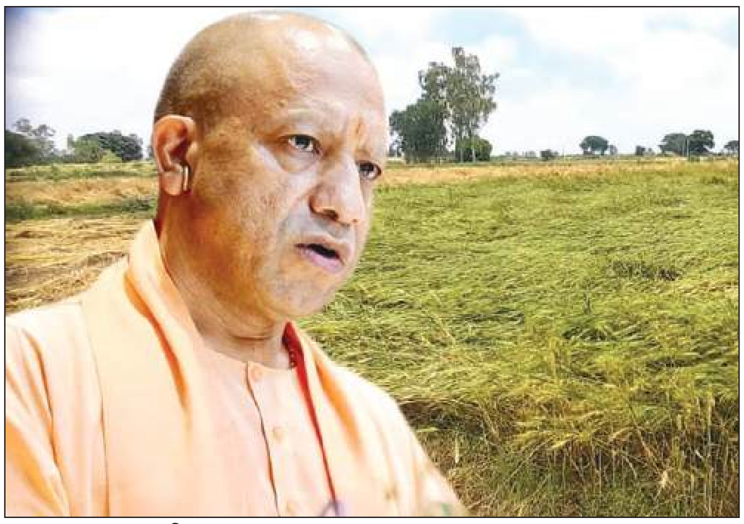

» कहा- फसलों के नुकसान का आकलन कर दें रिपोर्ट।

» जल निकासी की व्यवस्था के भी दिए निर्देश।

» लखनऊ, स्वराज इंडिया संवाददाता।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित कई जिलों में स्थिति पर सक्रियता से नजर रख रही है और लोगों को आश्वस्त किया है कि उनकी सुरक्षा प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ''प्रिय प्रदेश वासियों, प्रदेश में कई जनपदों से आंधी-बारिश, ओलावृष्टि की सूचना प्राप्त हुई है। किंतु चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। प्रत्येक प्रदेशवासी की सुरक्षा आपकी सरकार की प्राथमिकता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आंधी-बारिश, ओलावृष्टि, वज्रपात से प्रभावित जनपदों के अधिकारियों को क्षेत्र का सर्वेक्षण कर पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करने तथा घायलों का समुचित उपचार कराए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गेहूं की सरकारी खरीद की जारी प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा, ''अधिकारियों को वर्तमान में गतिमान गेहूं की सरकारी खरीद के दृष्टिगत मंडियों सहित सभी खरीद केंद्रों पर गेहूं के सुरक्षित भंडारण का पूरा ध्यान रखने एवं फसलों के नुकसान का आकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं ताकि इस संबंध में अग्रेतर कार्यवाही हो सके। इसके अलावा, मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को जल निकासी की व्यवस्था प्राथमिकता पर करने के निर्देश भी दिए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश और मेघ गर्जन के साथ बूंदाबांदी की सूचना है। इसने कहा कि 18 अप्रैल (शुक्रवार) को भी ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है, कुछ इलाकों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। पूर्वानुमान के अनुसार ये स्थितियां 19 अप्रैल (शनिवार) और 20 अप्रैल (रविवार) तक बनी रह सकती हैं।

हाई कोर्ट के छह नए न्यायाधीशों ने ली शपथ

अब न्यायमूर्तियों की कुल संख्या हुई 87

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट में शुक्रवार सुबह 10 बजे मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने छह नए न्यायमूर्तियों को पद की शपथ दिलाई। सभी अभी तक जिला जज थे। जितेन्द्र कुमार सिन्हा, अनिल कुमार (दशम), संदीप जैन, अवनीश सक्सेना, मदन पाल सिंह एवं हरवीर सिंह ने अतिरिक्त न्यायमूर्ति के रूप में शपथ ली।

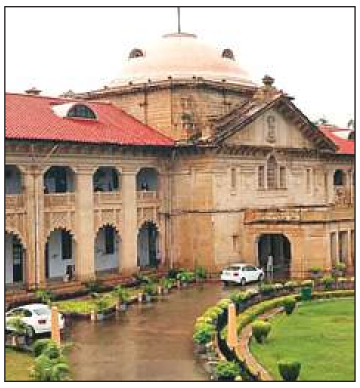

इस दौरान अन्य न्यायमूर्ति गण तथा बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह के कारण न्यायिक कार्य दिन में 11 बजे प्रारंभ हुआ। इन छह न्यायमूर्तियों के कार्यभार ग्रहण करने के बाद 160 जजों वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट में न्यायमूर्तियों की कुल संख्या 87 हो गई है। इनमें 23 न्यायमूर्ति लखनऊ खंडपीठ के हैं।

86 जस्टिस ही करेंगे न्यायिक कार्य, वर्मा पर लगी है रोक

फिलहाल 86 जस्टिस ही न्यायिक कार्य करेंगे। दिल्ली हाई कोर्ट से स्थानांतरित जस्टिस यशवंत वर्मा के न्यायिक कार्य करने पर रोक लगी हुई है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने इसी माह के पहले सप्ताह आठ जिला जजों को इलाहाबाद हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाए जाने की संस्तुति की थी। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने बुधवार को इनमें छह लोगों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी। अभी दो जिला जजों तथा दो अधिवक्ताओं को न्यायमूर्ति बनाए जाने की संस्तुति सरकार के पास लंबित है। जिला जज तेज प्रताप तिवारी (गोरखपुर) तथा अब्दुल शाहिद (प्रतापगढ़) के नाम को हरी झंडी नहीं मिल सकी है।

दो अधिवक्ताओं सर्वश्री अमिताभ कुमार राय (लखनऊ) व राजीव लोचन शुक्ला (प्रयागराज) को भी न्यायमूर्ति बनाए जाने की संस्तुति मार्च आखिर में सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने उनके नामों पर भी अपनी मंजूरी नहीं दी है। वैसे यदि इन नामों को मंजूरी मिल भी जाती है तब भी न्यायमूर्तियों की संख्या स्वीकृत पदों से काफी कम रहेगी।

चार मामलों में जमानत की लगाई थी याचिका

बाहर आएंगे आजम खान, तीन मामलों में कोर्ट ने दी जमानत

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

रामपुर। सीतापुर जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां को लेकर रामपुर की एमपी एमएलए विशेष अदालत मजिस्ट्रेट ट्रायल शोभित बंसल की अदालत में चार मुकदमों में जमानत की अर्जी पर सुनवाई की। अदालत ने आजम खान को तीन मामलों में जमानत मंजूर कर ली। यह मामले हेट स्पीच और शत्रु संपत्ति से संबंधित थे जबकि एक मामला गवाह को धमकाने का था जिसमे उनपर कॉन्सपिरेसी का आरोप था। इस मामले में अदालत ने उनकी जमानत खारिज कर दी।

आजम खान के वकील जुबैर अहमद खान ने बताया कि रामपुर के एमपी एमएलए विशेष अदालत ने मैजिस्ट्रेट ट्रायल के यहां चार मामलों में जमानत पर सुनवाई हुई थी। अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा था। देर शाम फैसला सुनाया गया जिसमें तीन मामलों में आजम खान को रेगुलर बेल दे दी गयी जबकि एक मामले में जमानत खारिज की गई है।

जिन तीन मामलों में जमानत दी गयी इनमें से दो मामले हेट स्पीच के थे और एक मामला शत्रु संपत्ति से संबंधित था । जबकि एक मामला और था जो गवाहों को धमकाने का मामला था, इसकी जमानत खारिज हो गयी है। यह मैजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट था अब इसकी सेशन कोर्ट में अपील करेंगे।

आपको बता दें कि इस मामले में आजम खान पर कोस्पेरेसी का आरोप था जबकि अन्य आरोपियों को इस मामले में पहले ही जमानत मिल चुकी है।

नेपाल-यूपी के मास्टरमाइंड समेत दो गिरफ्तार

वन्य जीवों के अंगों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

» लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता।

उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली है। एसटीएफ की टीम ने अंतर्राज्यीय स्तर पर वन्य जीवों के अंगों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एसटीएफ ने गिरोह के मास्टरमाइंड समेत एक अन्य साथी को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान नेपाल निवासी प्रकाश चौधरी और लखीमपुर खीरी निवासी भागीराम के रूप में हुई है। इन्हें लखीमपुर खीरी के पलिया क्षेत्र से गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से बाघ के 17 दांत, 18 नाखून और जबडे के तीन हिस्से बरामद किए गए हैं। केवल तीन जबड़े की कीमत 30 लाख रुपये आंकी जा रही है।

दरअसल, यूपी एसटीएफ की टीम को बीते काफी समय से प्रदेश के विभिन्न जिलों में वन जीवों के अंगों की तस्करी करने वाले गिरोह में सक्रिय होने की जानकारी मिल रही थी। इस संबंध में एसटीएफ की विभिन्न इकाईयों और टीमों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे।

इसी क्रम में सूचना मिली कि दो व्यक्ति ग्राम मकनपुर पीलिया-दुधवा मार्ग पर बांघो के अंगों की खरीद फरोख्त करने वाले हैं। इस इनपुट पर कार्रवाई करते एसटीएफ ने वन विभाग की टीम के साथ कार्रवाई करते हुए दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से बाघ के 17 दांत, 18 बाघ के नाखून, बाघ के जबड़े के 3 भाग (अन्तर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य 30 लाख रुपये अनुमानित), 4 मोबाइल, इंडियन और नेपाली करेंसी बरामद हुई है।

पूछताछ में गिरोह का खुलासा, लंबे समय से थी तलाश

गिरफ्तार किए गए आरोपी भागीराम ने पूछताछ में बताया कि उसका एक संगठित गिरोह है। यह गिरोह वन्य जीवों की हत्या करके उनके अंगों की भारी पैमाने पर तस्करी करता है। इस गिरोह का सरगना वह स्वयं है। उसके पास से बरामद दांत, नाखून और जब? के भाग को लखीमपुर के ही किसी व्यक्ति से लिया था। यूपी एसटीएफ अब इस पूरे गिरोह पर अपनी नजर बना ली है।

आरोपियों के खिलाफ उत्तर खीरी प्रभाग बफर जोन की पलिया रेंज पर धारा 9/51 (1सी), 48ए/51 (1सी), 49वी/51 (1सी), डब्ल्यूएलपी एक्ट 1972 और भारतीय वन अधिनियम की धारा 26 के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में अग्रिम कार्रवाई उत्तर खीरी प्रभाग बफर जोन की पलिया रेंज की ओर से की जाएगी।